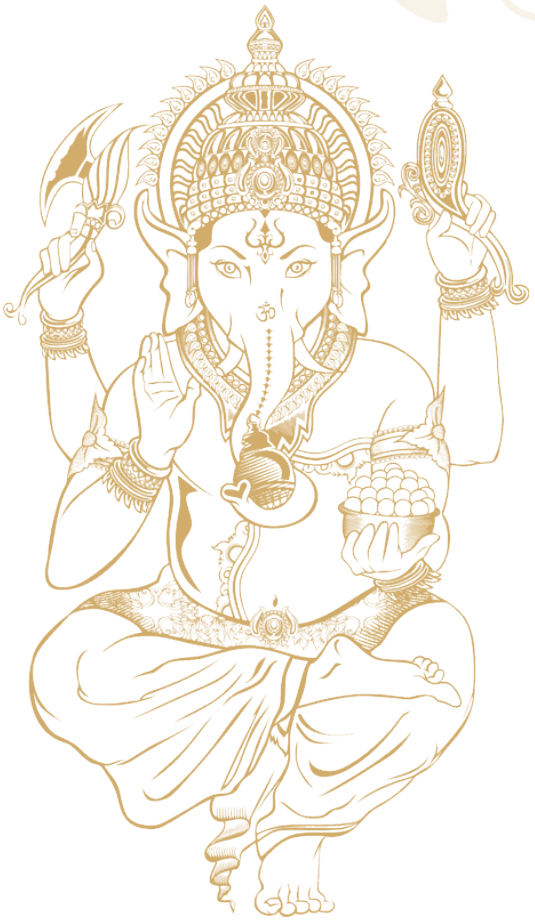

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121715206

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/04/1994	जन्म तिथि	19/12/2000
सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 21:45:00	जन्म समय	21:25:00 घंटे
घटी 39:39:40	जन्म समय(घटी)	35:26:30 घटी
India	देश	India
Ambala	स्थान	Ambala
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	30:19:00 उत्तर
76:49:00 पूर्व	रेखांश	76:49:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:44	स्थानिक संस्कार	-00:22:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:53:08	सूर्योदय	07:14:23
18:51:43	सूर्यास्त	17:25:37
23:46:52	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:57

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 4वर्ष 7मा 13दि	12:03:53	वृश्चि	लग्न	कर्क	26:38:47	मंगल 6वर्ष 4मा 14दि
बुध	04:37:03	मेष	सूर्य	धनु	04:11:40	गुरु
01/12/2017	29:28:55	मिथु	चंद्र	कन्या	24:31:46	04/05/2025
01/12/2034	09:16:02	मीन	मंगल	तुला	03:47:34	04/05/2041
बुध 29/04/2020	22:09:58	मीन	बुध	धनु	00:44:23	गुरु 22/06/2027
केतु 26/04/2021	17:28:22	तुला व	गुरु व	वृष	09:31:19	शनि 03/01/2030
शुक्र 25/02/2024	26:57:03	मेष	शुक्र	मक	19:12:30	बुध 10/04/2032
सूर्य 31/12/2024	15:19:49	कुंभ	शनि व	वृष	01:22:27	केतु 17/03/2033
चन्द्र 02/06/2026	00:15:41	वृश्चि	राहु व	मिथु	21:47:21	शुक्र 16/11/2035
मंगल 30/05/2027	00:15:41	वृष	केतु व	धनु	21:47:21	सूर्य 03/09/2036
राहु 16/12/2029	02:30:01	मक	हर्ष	मक	24:13:28	चन्द्र 03/01/2038
गुरु 23/03/2032	29:33:23	धनु	नेप	मक	11:02:48	मंगल 10/12/2038
शनि 01/12/2034	03:40:38	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	19:26:57	राहु 04/05/2041

लग्न-चलित

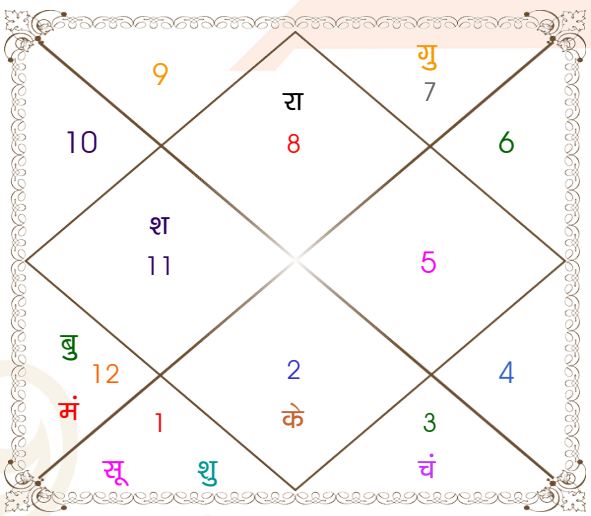

लग्न-चलित

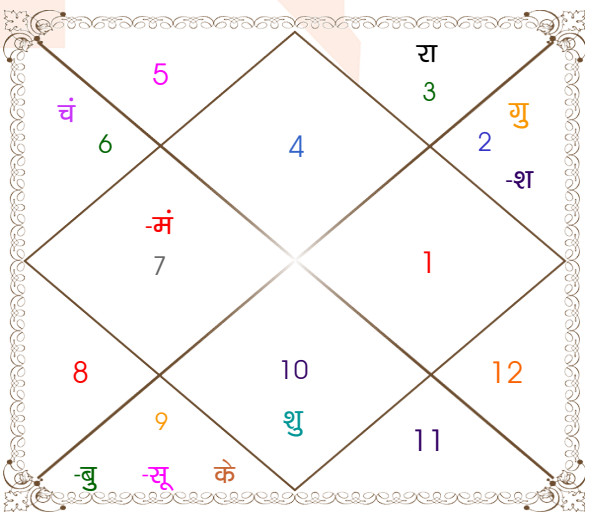

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

Mr. का वर्ग मेष है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।